धान परती प्रबंधन

- दक्षिण एशिया के कुल धान–परती क्षेत्र का 79 प्रतिशत भाग (11.65 मिलियन हेक्टयर) भारत में स्थित है
- खरीफ में छोटी/मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों (115–120 दिन) : स्वर्ण श्रेया/ ललाट/सहभागी और उसके बाद रबी फसलों यानी चना, मसूर और कुसुम (रबी) को फसल के रूप में पहचाना गया है
- धान–चना, धान–मसूर एवं धान–कुसुम चक्रों द्वारा अधिक आर्थिक लाभ (14.3 प्रतिशत) प्राप्त हुआ तथा उर्जा खपत में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 20–25 प्रतिशत तक की कमी हुई।